

— C Language LIVE Community Classes —

Assignment - 1

(1.) why do computers understand only binary language?

उत्तर → कंप्यूटर हार्डवेयर से बना है। इसमें RAM, ROM, Processor, Hard Disk एवं कई सारी Devices हैं।

किसी भी हार्डवेयर को दो states में Represent करना ज्यादा आसान होता है। इसलिए कंप्यूटर सिर्फ बाइनरी भाषा (0,1) समझता है।

(2.) what is the full form of IDE?

उत्तर → IDE का फुल फॉर्म है —

Integrated Development Environment.

(3.) what is the difference between a text editor and a code editor?

उत्तर → एक code editor के मदद से Programmer बहुत आसानी से code लिख पाते हैं। इसमें अगर गलती होती है तो code editor हटें देता है। coding दूसरे लोगों को भी आसानी से समझ आए इसके लिए code editor कुछ words को Highlights कर देता है। हम जो भी programming language में

Coding लिखते हैं। ये code editor की सहायता आता है। लेकिन वही एक text editor से सारी सुविधाएं नहीं देती है। code editor भी एक text editor की तरह की है लेकिन text editor एक normal editor है। इसमें भी code लिख सकते हैं लेकिन बावजूद ये text लिखने या file edit करने के काम आता है।

(4)

(A) what are the steps to develop software using the C language?

उत्तर → C language के मदद से software 2 steps में develop कर सकते हैं —

- (i) source file को बनाना
- (ii) सॉफ्टवेयर बनाना। software बनाने के लिए हमारे computer या Laptop में Preprocessor, compiler और linker होने चाहिए।

(5) Explore by your own:-

(a) what is the latest version of C language?

उत्तर → C language का latest version है — C17

(b) who developed C language?

उत्तर → Dennis Ritchie ने 1972 ई० में C language develop की।

(c) What is the difference between system and application software?

उत्तर → System Software Computer hardware को operate करने के लिए use किया जाता है।
जबकि Application Software user के आवश्यकतानुसार use किया जाता है।

(d) How to convert a number from a decimal number system to a binary number system?

उत्तर → Decimal number system को binary number system में बदलने की प्रक्रिया निम्न है —

(i) दशमलव संख्या को dividend के रूप में लेते हैं।

(ii) अब इस दशमलव संख्या को 2 से भाग देते हैं।

(iii) जो Remainder बचता है उसे array में स्टोर करते हैं (0 या 1 के रूप में)।

(iv) अब यही step तब तक दोहराते हैं जब तक कि number 0 (शून्य) से अधिक न हो जाए।

(v) उसके बाद Array को reverse क्रम में फिर करते हैं क्योंकि जो दशमलव संख्या दिया गया था उसके equivalent binary number होगा।